Parvatibai Chowgule College of Arts and Science
(Autonomous)

POSTGRADUATE DEPARTMENT OF HINDI

COURSE STRUCTURE

SEMESTER	CORE COURSES			OPTIONAL COURSES		
I	**HNC-1** हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल,भक्तिकाल एवं रीतिकाल)	**HNC-2** प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य	**HNC-3** भाषाविज्ञान	**HNO-1** विशेष रचनाकार: अज्ञेय	**HNO-2** दलित विमर्श	**HNO-3** अनुवाद
II	**HNC-4** हिन्दी साहित्य का इतिहास:आधुनिक काल	**HNC-5** आधुनिक काव्य	**HNC-6** विशेष विधा: उपन्यास	**HNO-4** विशेष विधा : कहानी	**HNO-5** आलोचक और आलोचना	**HNO-6** पत्रकारिता एवं जनसंचार माध्यम
III	**HNC-7** भारतीय काव्यशास्त्र	**HNC-8** प्रयोजनमूलक हिन्दी	**HNC-9** हिन्दी भाषा,लिपि,व्याकरण एवं सर्वेक्षण	**HNO-7** भारतीय साहित्य	**HNO-8** नाटक एवं रंगमंच	**HNO-9** आधुनिक हिन्दी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि
IV	**HNC-10** पाश्चात्य काव्यशास्त्र	**HNC-11** मीडिया लेखन	**HNC-12** शोध प्रविधि	**HNO-10** आधुनिक गद्य (नाटक, उपन्यास, निबंध, कहानी)	**HNO-11** स्त्री विमर्श	**HNO-12** गद्य की अन्य विधाएँ

PARVATIBAI CHOWGULE COLLEGE OF ARTS AND SCIENCE
AUTONOMOUS

POST GRADUATE DEPARTMENT OF HINDI

REVISED SYLLABUS OF M.A. HINDI

Semester – I

Course Title:हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, भक्तिकाल एवं रीतिकाल)
Course Code: HNC-1
Marks: 100
Credits: 04 (60 lectures)

Course Objective:

विद्यार्थियों को हिन्दी साहित्य के आदिकाल, भक्तिकाल और रीतिकाल की विस्तृत जानकारी देना। इससे विद्यार्थी आदिकाल, भक्तिकाल और रीतिकाल के साहित्य से परिचित होंगे। साथ ही वे साहित्य और समाज के संबंध से भी परिचित होंगे।

Learning Outcome:
इस पाठ्यक्रम को पढ़ने के बाद विद्यार्थी प्राचीन एवं मध्यकालीन साहित्य से पूर्णतया परिचित होंगे। विद्यार्थियों को ज्ञात होगा कि समय के परिवर्तन के साथ प्राचीन काव्य मध्यकाल तक आते-आते कितना कुछ बदल गया।

Syllabus:

क. हिन्दी साहित्य के इतिहास की भूमिका: (15 Hours)

1. इतिहास दर्शन और साहित्येतिहास।
2. हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन के स्रोत।
3. हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा।
4. काल विभाजन एवं नामकरण।

ख॰ आदिकाल : **(15 Hours)**

1. अपभ्रंश और हिन्दी साहित्य।
2. नाथ, सिध्द और जैन साहित्य
3. रासो काव्य की परंपरा और उसकी प्रामाणिकता
4. विद्यापति और अमीर खुसरो

ग॰भक्तिकाल : **(22 Hours)**

1. भक्ति आंदोलन एवं सांस्कृतिक चेतना
2. संत काव्यधारा
3. सूफी काव्यधारा
4. कृष्ण-भक्ति काव्य
5. राम-भक्ति काव्य

घ॰रीतिकाल: **(08 Hours)**

1. रीतिकाल का उद्भव एवं विकास
2. दरबारी संस्कृति और रीतिकाव्य
3. रीतिकाल की विविध शाखाएँ।

संदर्भ ग्रंथ

1. रामचन्द्र शुक्ल, '*हिन्दी साहित्य का इतिहास*', विश्वभारती प्रकाशन नागपुर, 2005
2. नगेन्द्र (सं), '*हिन्दी साहित्य का इतिहास*', मयूर पेपर बैक्स नौएडा, 1973
3. बच्चन सिंह, '*हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास*', राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली, 1996
4. सुमन राजे, '*हिन्दी साहित्य का आधा इतिहास*', भारतीय ज्ञानपीठ, नयी दिल्ली, 2003
5. वासुदेव सिंह, '*हिन्दी साहित्य कासमीक्षात्मक इतिहास' खंड-1 और खंड-2*,संजय बुक सेंटर, वाराणसी, 1982
6. डॉ. फणीश सिंह, '*हिन्दी साहित्य एकपरिचय*', राजकलम प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2006
7. डॉ. शिवकुमार शर्मा, '*हिन्दी साहित्य: युग और प्रवृतियाँ*', मिनर्वा पब्लिकेशन, जोधपुर, 2015

Course Title: प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

Course Code: HNC-2
Marks: 100
Credits: 04 (60 lectures)

Course Objective:

विद्यार्थियों को आदिकाल से लेकर रीतिकाल तक के प्रमुख कवियों की कविताओं की जानकारी देना। साथ ही इन प्रमुख कवियों के जीवन और उनकी काव्य दृष्टि से परिचित कराना।

Learning Outcome:

इस पाठ्यक्रम को पढ़ने के बाद विद्यार्थी आदिकाल से लेकर रीतिकाल तक की कविता से परिचित होंगे। विद्यार्थियों को ज्ञात होगा कि किस प्रकार युग परिवर्तन के साथ काव्य में परिवर्तन होता है।

Syllabus:

क॰ आदिकालीन कवि विद्यापति **(15 Hours)**

1. जीवन परिचय एवं साहित्य
2. काव्य दृष्टि एवं भाव सौन्दर्य
3. शिल्प सौन्दर्य
4. निर्धारित पाठ्यपुस्तक-विद्यापति पदावली सं.रामवृक्ष बेनीपुरी

पद्संख्या–वंदना-1,3

वय:संधि-4,9

नख शिख-10,11,12,18

प्रेम प्रसंग-27,29,34,35,37

विरह-187,188,191,194,195

प्रार्थना और नचारी-239,243,250,252

ख॰ निर्गुण कवि: कबीर एवं जायसी **(15 Hours)**

1. जीवन परिचय एवं साहित्य
2. काव्य दृष्टि, विचार एवं भाव सौंदर्य
3. शिल्प सौंदर्य

4. निर्धारित पाठ्यपुस्तक- कबीर- हजारी प्रसाद द्विवेदी

पदसंख्या:1, 2, 5, 12, 20, 39, 41, 77, 92, 109, 118, 130, 134, 137, 141, 162, 224, 247

5. निर्धारित पाठ्यपुस्तक- जायसी ग्रंथावली, संपादक-आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

नागमती- वियोग खंड

ग॰ सगुण कवि: गोस्वामी तुलसीदास एवं सूरदास **(15 Hours)**

1. जीवन परिचय एवं साहित्य
2. काव्य दृष्टि, विचार एवं भाव सौंदर्य।
3. शिल्प सौंदर्य
4. निर्धारित पाठ्यपुस्तक- रामचरितमानस-(गोस्वामी तुलसीदास)

अयोध्याकाण्ड - दोहा क्रमांक 109 से 124 तक, उत्तरकाण्ड - दोहा क्रमांक 114ख से 122 ख तक

5.निर्धारित पाठ्यपुस्तक–भ्रमरगीतसार-आ.रामचन्द्र शुक्ल

पदसंख्या: 42, 64, 85, 97, 130, 136, 178, 181, 210, 278, 289, 296, 346, 351,375, 389, 400

घ॰ रीतिसिद्ध एवं रीतिमुक्त कवि:बिहारी एवं घनानंद **(15 Hours)**

1. जीवन परिचय एवं साहित्य
2. काव्य की श्रृंगारिकता
3. भक्ति एवं नीतिगत विचार
4. भाषिक सौंदर्य
5. निर्धारित पाठ्यपुस्तक (सं) बिहारी रत्नाकर, जगन्नाथदास रत्नाकर

दोहा संख्या1 -,2,13 ,16 ,25 ,32 ,34 ,35 ,38 ,39 ,41 ,60 ,73 ,85 ,94 ,160 , 188,225 ,256 ,300 ,317 ,345 ,347 ,362 ,406 ,437 ,472 ,526,610 ,646 , 680, 713

6. निर्धारित पाठ्यपुस्तक-घनानंद कवित्त (सं) विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

कवित्त संख्या2 -,4 ,12 ,13 ,15 ,17 ,24 ,40 ,78 ,82 ,87 ,112 ,128 ,140,193 , 206,257 ,278 ,317 ,383 ,444

संदर्भ ग्रंथ

1. हजारी प्रसाद द्विवेदी,'*कबीर*', राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2014
2. रामचन्द्र शुक्ल,'*जायसी ग्रंथावली*', विनय प्रकाशन, कानपुर, 1924
3. जगन्नाथ दास रत्नाकर, '*बिहारी रत्नाकर*', लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद,2014
4. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र,'*घनानन्द कवित्त*', संजय बुक सेंटर वाराणसी, 2007
5. संपादक रामवृक्ष बेनीपुरी, '*विद्यापति पदावली*', लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2011
6. महाकवि सूरदास, '*भ्रमरगीत सार*', लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1978
7. तुलसीदास, '*रामचरितमानस*', गीता प्रेस, गोरखपुर, 2012

Course Title: भाषाविज्ञान

Course Code: HNC-3
Marks: 100
Credits: 04 (60 lectures)

Course Objective:

विद्यार्थियों को भाषा और भाषा विज्ञान की जानकारी देना। उन्हें भाषा विज्ञान की विभिन्न शाखाओं से परिचित कराना। साथ ही भाषा विज्ञान की पाश्चात्य परंपरा एवं भाषा, बोली एवं समाज के आपसी संबंध को बताना।

Learning Outcome:

इस पाठ्यक्रम को पढ़ने के बाद विद्यार्थी भाषा और भाषा विज्ञान के आपसी संबंध से परिचित होंगे। विद्यार्थियों को यह भी ज्ञात होगा कि भाषा, बोली और समाज का आपसी संबंध क्या है?

Syllabus:

क. भाषाविज्ञान **(15 Hours)**

1. भाषा:परिभाषा, स्वरूप एवं अभिलक्षण
2. भाषा और समाज (सम्प्रेषण व्यवस्था के संदर्भ में)
3. भाषा और बोली:पारस्परिक संबंध
4. भाषाविज्ञान:परिभाषा, स्वरूप एवंशाखाएँ
5. भारत में भाषा चिंतन
6. भाषाविज्ञान की पाश्चात्य परंपरा

ख॰ ध्वनिविज्ञान **(15 Hours)**

1. ध्वनिविज्ञान:स्वरूप एवं आधार
2. ध्वनियों का वर्गीकरण
3. ध्वनिगुण:मात्रा, आघात, वृत्ति एवं अनुतान
4. ध्वनि परिवर्तन:कारण एवं दिशाएँ
5. स्वनिम विज्ञान:परिभाषा, स्वरूप एवं भेद
6. स्वनिम सिध्दांत

ग॰ रूप विज्ञान **(15 Hours)**

1. रूप का स्वरूप
2. रूपिम:परिभाषा, भेद एवं प्रक्रिया
3. अर्थतत्व और संबंध तत्व
4. रूप स्वनिम:परिभाषा, प्रक्रिया, परिवर्तन
5. रूप परिवर्तन:कारण एवं दिशाएँ

घ॰ वाक्य विज्ञान **(07 Hours)**

1. वाक्य:अवधारणा एवं स्वरूप
2. वाक्य के भेद
3. वाक्य विश्लेषण:निकटस्थ-अवयव, गहन एवं बाह्य संरचना

ङ॰ अर्थ विज्ञान **(08 Hours)**

1. अर्थ:परिभाषा एवं स्वरूप
2. शब्द और अर्थ का संबंध
3. अर्थबोध एवं अर्थ निर्णय के साधन
4. अर्थ परिवर्तन:कारण एवं दिशाएँ

संदर्भ ग्रंथ

1. भोलानाथ तिवारी, '*भाषाविज्ञान*', किताब महल, इलाहाबाद, 1951
2. डॉ. जितेन्द्र वत्स, डॉ. देवेन्द्र प्रसाद सिंह, '*भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा*', निर्मल पब्लिकेशन्स, दिल्ली, 2009
3. डॉ. नरेश मिश्र, '*भाषा और भाषा विज्ञान*', निर्मल पब्लिकेशन्स, दिल्ली, 2001
4. कामता प्रसाद गुरु, '*हिन्दी व्याकरण*', हिन्दी-मराठी प्रकाशन, नागपुर, 2011
5. डॉ. रामप्रकाश, '*मानक हिन्दीः स्वरुप एवं संरचना*', राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली, 1991
6. डॉ. हणमंतराव पाटिल, '*भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा*', विद्याप्रकाशन कानपुर, 2015

Course Title: विशेष रचनाकार:अज्ञेय

Course Code: HNO-1
Marks: 100
Credits: 04 (60 lectures)

Course Objective:

विद्यार्थियों को हिन्दी के विशेष रचनाकार अज्ञेय के सम्पूर्ण साहित्य से परिचित कराना। साथ ही अज्ञेय का व्यक्तित्व, उनका परिवेश, उनकी व्यष्टि चेतना और प्रयोगवाद की विशेषताओं की जानकारी देना इसमें शामिल है।

Learning Outcome:

इस पाठ्यक्रम से विद्यार्थी अज्ञेय के सम्पूर्ण साहित्य से परिचित होंगे। उन्हें अज्ञेय की दृष्टि को और अज्ञेय की व्यष्टि चेतना को जानने-समझने में सुविधा होगी। विद्यार्थी जानेंगे कि उज्ञेय का क्या योगदान है?

Syllabus:

क॰ जीवन- वृत्त एवं परिचय **(08 Hours)**

1. व्यक्तित्व एवं परिवेश
2. अज्ञेय का रचना संसार
3. व्यष्टि चेतना
4. प्रयोगवाद एवं अज्ञेय

ख॰ अज्ञेय काव्य की विकास यात्रा **(07 Hours)**

1. उत्तर छायावादी काव्य और अज्ञेय
2. अज्ञेय की काव्य दृष्टि
3. अज्ञेय का शिल्प विधान

ग॰ अज्ञेय : प्रतिनिधि कविताएं एवं जीवन परिचय – संपादक. विद्यानिवास मिश्र (15 Hours)

1. एक सन्नाटा बुनता हूं, आज थका हिय हारिल मेरा, बावरा अहेरी, सम्राज्ञी का नैवेद्य-दान, सागर-मुद्रा, दाता और भिखारी, जो कहा नहीं गया, सोन-मछली, नदी के द्वीप, आंगन के पार द्वार, कितनी नावों में कितनी बार।

लंबी कविता- असाध्य वीणा

घ॰ कथा साहित्य **(15 Hours)**

1. शेखर : एक जीवनी भाग-१
2. चुनी हुई पांच कहानियां- रोज, जयदोल, शरणार्थी, विपथगा, मुस्लिम-मुस्लिम भाई-भाई।

ड. अन्य विधाएं **(15 Hours)**

1. आत्मनेपद के पाँच प्रमुख निबंध
   (थिर हो गयी पत्री, श्लील और अश्लील , हिन्दी पाठक के नाम, जीवन का रस, मैं क्यों लिखता हूँ)
2. अरे यायावर रहेगा याद
3. अज्ञेय की पत्रकारिता

संदर्भ ग्रंथ

1. विश्वंभर मानव, राम किशोर शर्मा, '*आधुनिक कवि*', लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2008
2. संपादक विद्या निवास मिश्र, '*अज्ञेय प्रतिनिधि कविताएँ*', राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली, 2005
3. सच्चिदानंद चतुर्वेदी, '*अज्ञेय के निबंध*', मिलिंद प्रकाशन, हैदराबाद, 2009
4. बच्चन सिंह, '*आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास*', लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2005
5. डॉ. कामना श्रीवास्तव, '*अज्ञेय की कहानियाँ :वैचारिक आयाम*', शिल्पायन प्रकाशन, दिल्ली,2014
6. पूनम गुप्ता , '*अज्ञेय की कविताओं में मनुष्य की अवधारणा*', शिल्पायन प्रकाशन, दिल्ली, 2014
7. '*अज्ञेय काव्य में प्रतिबिम्ब और मिथक*', राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2009

Course Title: दलित विमर्श

Course Code: HNO-2
Marks: 100
Credits: 04 (60 lectures)

Course Objective:

आज दलित विमर्श हर भारतीय भाषा में एक आंदोलन के रूप में उभरकर आया है। यह हिन्दी में भी अपना एक स्थान बना चुका है। इस पाठ्यक्रम का उददेश्य विद्यार्थियों को हिन्दी के दलित साहित्य से परिचित कराना है।

Learning Outcome:

इस पाठ्यक्रम को पढ़ने के बाद विद्यार्थी दलित साहित्य से पूर्णतया परिचित होंगे। उन्हें जानकारी मिलेगी कि दलित साहित्य मुख्य धारा से कहाँ समानता रखता है और कहाँ असमानता? वे दलित साहित्य के सौन्दर्यशास्त्र से भी परिचित होंगे।

Syllabus:

क॰ सैद्धांतिक **(15 Hours)**

दलित साहित्य की अवधारणा

1. दलित साहित्य का विकास
2. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र

ख॰ व्यावहारिक

आत्मकथा **(15 Hours)**

दोहरा अभिशाप - कौशल्या बैसंत्री

उपन्यास **(08 Hours)**

उधर के लोग- अजय नावरिया

कहानी **(07 Hours)**

संघर्ष- डॉ. सुशीला टाकभौरे

कविता **(15 Hours)**

बस्स बहुत हो चुका- ओमप्रकाश वाल्मीकि

संदर्भ ग्रंथ

1. टी.वी. कटटीमनी, '*दलित साहित्य का समाज विज्ञान*', शिल्पायन प्रकाशन, दिल्ली,2014
2. ओमप्रकाश वाल्मीकि, '*दलित साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र*', राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2010
3. सुशीला टाकभौरे, '*हाशिए का विमर्श*', शिल्पायन प्रकाशन, दिल्ली, 2015
4. विमल थोरात, '*दलित साहित्य का स्त्रीवादी स्वर*', अनामिका पब्लिशर्स, नयी दिल्ली, 2008
5. डॉ. संजय मुनेश्वर, '*हिन्दी का दलित आत्मकथा साहित्य*', चन्द्रलोक प्रकाशन, कानपुर, 2011
6. डॉ. श्यौराज सिंह बेचैन, डॉ. रजत रानी मीनू, '*दलित दखल*', श्री साहित्यिक संस्थान, गाजियाबाद, 2001

Course Title: अनुवाद

Course Code: HNO-3
Marks: 100
Credits: 04 (60 lectures)

Course Objective:

आज का युग अनुवाद का युग है। साहित्यिक और कार्यालयीन सभी क्षेत्रों में अनुवाद कार्य तेजी से हो रहा है। इस पाठ्यक्रम से अनुवाद की परिभाषा, उसका सिद्धांत, उसके भेद, उसकी प्रक्रिया, सीनाएँ एवं प्रासंगिकता की विद्यार्थियों को जानकारी देना शामिल है।

Learning Outcome:

इस पाठ्यक्रम को पढ़ने के बाद विद्यार्थी अनुवाद कार्य में दक्षता प्राप्त करेंगे। वे अनुवाद की प्रक्रिया, उसके भेद एवं महत्व को अच्छी तरह समझेंगे और अनुवाद कार्य की दिशा में प्रवृत्त होंगे।

Syllabus:

क॰ अनुवाद **(07 Hours)**

1. परिभाषा, स्वरूप एवं क्षेत्र
2. सिद्धांत एवं प्रक्रिया

ख॰ अनुवाद की ईकाइयां **(08 Hours)**

1. शब्द
2. पदबंध
3. वाक्य एवं पाठ

ग॰ अनुवाद के भेद **(07 Hours)**

1. शब्दानुवाद
2. भावानुवाद
3. छायानुवाद
4. आशु अनुवाद

घ॰ अनुवाद की समस्याएं **(15 Hours)**

1. कार्यालयी अनुवाद
2. साहित्यिक अनुवाद
3. विज्ञान, तकनीकी, कोश
4. मीडिया गत अनुवाद

ङ॰ अनुवाद के साधन **(08 Hours)**

1. शब्दकोश
2. पारिभाषिक शब्दावली
3. साहित्य कोश
4. थियरी एवं कंप्यूटर

च॰ अनुवादः **(05 Hours)**

पुनरीक्षण , समीक्षा एवं मूल्यांकन

छ॰ अनुवादः **(05 Hours)**

प्रासंगिकता, महत्व एवं सीमाएं

ज॰ अनुवाद का व्यावहारिक पक्षः **(05 Hours)**

अंग्रेजी से हिंदी, कोंकणी से हिंदी, मराठी से हिंदी

संदर्भ ग्रंथ

1. डॉ. भारती गोरे, '*अनुवाद निरूपण*', विकास प्रकाशन, कानपुर, 2004
2. डॉ. अम्बादास देशमुख, '*प्रयोजनमूलक हिन्दी*', शैलजा प्रकाशन, कानपुर, 2006
3. डॉ. सुरेश सिंहल, '*अनुवादःअनुभूति और अनुभव*', संजय प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2006
4. विनोद गोदरे, '*प्रयोजनमूलक हिन्दी*', वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2007
5. डॉ. सुरेश सिंहल, '*अनुवादः अवधारणा और आयाम*', संजय प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2006
6. डॉ. राजमल बोरा, '*अनुवाद क्या है*', वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, 1996

Semester II

Course Title: हिन्दी साहित्य का इतिहास:आधुनिक काल

Course Code: HNC-4
Marks: 100
Credits: 04 (60 lectures)

Course Objective:

विद्यार्थियों को आधुनिक काल की सभी विधाओं की जानकारी देना। यह बताना कि किस तरह हिन्दी साहित्य के आधुनिक काल में कविता के साथ-साथ गद्य की धाराएँ भी विकसित होती रहीं। इसमें गद्य की अन्य विधाओं के साथ दक्खिनी हिन्दी भी शामिल है।

Learning Outcome:

इस पाठ्यक्रम से विद्यार्थी आधुनिक काल के सम्पूर्ण साहित्य से परिचित होंगे। उन्हें ज्ञात होगा कि भारतेन्दु युग से लेकर आज तक हिन्दी साहित्य में कितने बदलाव आए हैं और आज हिन्दी में किस तरह के साहित्य लिखे जा रहे हैं?

Syllabus:

क॰ आधुनिक हिन्दी साहित्य **(15 Hours)**

1. आधुनिक हिन्दी साहित्य का परिवेश
2. भारतेन्दु युग (विषय वस्तु, एवं सामाजिक चेतना)
3. द्विवेदी युग (विषय वस्तु, भाषा परिष्कार, पत्रकारिता)
4. छायावाद
5. राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक काव्यधारा

ख॰ छायावादोत्तर काव्य का संक्षिप्त परिचय **(15 Hours)**

1. प्रगतिवाद
2. प्रयोगवाद
3. नयी कविता
4. समकालीन कविता

ग॰ हिन्दी गद्य की प्रमुख विधाओं का स्वरूप एवं विकास **(22 Hours)**

1.नाटक एवं एकांकी

2.कहानी

3.उपन्यास

4.निबंध एवं अन्य गद्य विधाएँ (संस्मरण, यात्रा, वृतांत, आत्मकथा एवं जीवनी)

घ॰ दक्खिनी हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त परिचय (आधुनिक काल के संदर्भ में) **(08 Hours)**

संदर्भ ग्रंथ

1. बच्चन सिंह, '*हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास*', राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली, 1996
2. रामचन्द्र शुक्ल, '*हिन्दी साहित्य का इतिहास*', विश्वभारती प्रकाशन, नागपुर,2005
3. प्रो. वासुदेव सिंह, '*हिन्दी साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास*', संजय बुक सेंटर, वाराणसी, 1982
4. बच्चन सिंह, '*आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास',* लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2005
5. डॉ.शिवकुमार शर्मा, '*हिन्दी साहित्यःयुग और प्रवृत्तियाँ*', मिनर्वा पब्लिकेशन, जोधपुर, 2015
6. नामवर सिंह, '*आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ*', लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1998

Course Title: आधुनिक काव्य

Course Code: HNC-5
Marks: 100
Credits: 04 (60 lectures)

Course Objective:

विद्यार्थियों को आधुनिक काल के प्रमुख कवियों की कविताओं से परिचित कराना। यह बताना कि आधुनिक काल की कविताएँ अपने पूर्ववर्ती काव्य से किस बिन्दु पर अलग हैं और उनसे आगे बढ़ी हैं।

Learning Outcome:

इस पाठ्यक्रम को पढ़ने के बाद विद्यार्थी आधुनिक काल के प्रमुख काव्य ग्रंथों से परिचित होंगे। उन्हें ज्ञात होगा की आधुनिक काल के काव्य ग्रंथ किस प्रकार स्वतंत्रता आंदोलन को दिशा दे रहे थे और आजादी के बाद भी दिशा निर्देश कर रहे हैं।

Syllabus:

1. साकेत का नवम सर्ग - मैथिलीशरण गुप्त **(07 Hours)**
2. कामायनी : जयशंकर प्रसाद (चिंता, श्रद्धा एवं आनंद सर्ग) **(15 Hours)**
3. राग- विराग : सूर्यकांत त्रिपाठी निराला **(08 Hours)**
   (सरोज स्मृति, राम की शक्ति पूजा, वह तोड़ती पत्थर, कुकुरमुत्ता)
4. चांद का मुंह टेढ़ा है- मुक्तिबोध **(07 Hours)**
   (ब्रह्मराक्षस, लकड़ी का बना रावण, एक भूतपूर्व विद्रोही का आत्मकथन, अंधेरे में)
5. कुरुक्षेत्र : रामधारी सिंह दिनकर **(08 Hours)**
   (तीसरा एवं चौथा सर्ग)
6. नए इलाके में : अरुण कमल **(15 Hours)**
   (नए इलाके में, हाट, बात, अभिसार, श्राद्ध का अन्न, जागरण, घोषणा, दाना, आत्मा का रोकड़, श्रद्धांजलि, हमारे युग का नाटक, चरथ भिक्खवे चारिकं)

संदर्भ ग्रंथ

1. विश्वम्भर मानव, राम किशोर शर्मा, '*आधुनिक हिन्दी काव्य*', लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2008
2. विवेक निराला, '*निराला के साहित्य में प्रतिरोध के स्वर*', लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2010
3. नामवर सिंह, '*आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ*', लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1998
4. कल्याणमल लोढा, '*कामायनी*', राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली, 1976
5. डॉ. ब्रिजपाल सिंह गहलोत, '*मुक्तिबोध के काव्य में युग चेतना*', विद्या प्रकाशन, कानपुर, 2016
6. देशराज सिंह भाटी, '*दिनकर और उनका कुरुक्षेत्र*', अशोक प्रकाशन, दिल्ली, 2012

Course Title: विशेष विधा: उपन्यास

Course Code: HNC-6
Marks: 100
Credits: 04 (60 lectures)

Course Objective:

विद्यार्थियों को हिन्दी की उपन्यास विधा से परिचित कराना और साथ ही हिन्दी के कुछ चर्चित उपन्यासों के माध्यम से उपन्यास के यथार्थ और आदर्श पक्ष को विद्यार्थियों के समक्ष रखना। उन्हें एक समीक्षात्मक दृष्टि की ओर प्रेरित करना।

Learning Outcome:

इस पाठ्यक्रम को पढ़ने के बाद विद्यार्थी उपन्यास विधा को अच्छी तरह समझेंगे, साथ ही कुछ चर्चित उपन्यास पढ़ने के बाद उपन्यास के कथ्य और उसका समाज से क्या सम्बंध है, इसकी भी जानकारी प्राप्त करेंगे।

Syllabus:

1) गोदान - प्रेमचंद	**(10 Hours)**
2) बाणभट्ट की आत्मकथा - आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी	**(10 Hours)**
3) मैला आँचल - फणीश्वर नाथ 'रेणु'	**(10 Hours)**
4) राग दरबारी - श्रीलाल शुक्ल	**(10 Hours)**
5) सूखा बरगद - मंजूर एहतेशाम	**(10 Hours)**
6) दौड़ - ममता कालिया	**(10 Hours)**

संदर्भ ग्रंथ

1. डॉ. अनिल सिंह, '*आंचलिकता और हिन्दी उपन्यास*', ज्ञानप्रकाशन कानपुर, 2014
2. डॉ. बेचन, '*आधुनिक हिन्दी उपन्यास: उदभव और विकास*', सन्मार्ग प्रकाशन, दिल्ली, 1971
3. डॉ. ज्ञान अस्थाना, '*हिन्दी उपन्यासों में ग्राम समस्याएँ*', जवाहर पुस्तकालय, मथुरा, 1979
4. संपादक ओमप्रकाशक त्रिपाठी, '*हिन्दी के कालजयी उपन्यास*', विद्या प्रकाशन, कानपुर, 2013
5. सम्पादक पी.वी. विजयन, '*प्रेमचंद: साहित्य और संवेदना*', जवाहर पुस्तकालय, मथुरा, 2005
6. डॉ. शोभा वेरेकर, '*साठोत्तरी हिन्दी उपन्यासों का शिल्प विकास*', पीयूस प्रकाशन, दिल्ली, 2001

Course Title: विशेष विधा :कहानी

Course Code: HNO-4
Marks: 100
Credits: 04 (60 lectures)

Course Objective:

विद्यार्थियों को हिन्दी की कहानी विधा से परिचित कराना। साथ ही कुछ चर्चित कहानियों के माध्यम से हिन्दी कहानी और समाज के सम्बंध को विद्यार्थियों तक पहुँचाना। विद्यार्थियों के भीतर कहानी की समीक्षा दृष्टि पैदा करना।

Learning Outcome:

इस पाठ्यक्रम को पढ़ने के बाद विद्यार्थी कहानी विधा को अच्छी तरह समझेंगे। विद्यार्थी प्रारंभिक कहानी से लेकर आजतक की लिखी हुई कहानियों से परिचित होंगे। साथ ही इससे विद्यार्थियों में समीक्षा संबंधी दृष्टि पैदा होगी।

Syllabus:

1. उसने कहा था - चंद्रधर शर्मा गुलेरी **(15 Hours)**
2. प्रेमचंद - मुक्तिमार्ग
3. जयशंकर प्रसाद - पुरस्कार
4. भगवतीचरण वर्मा - दो बाँके
5. फणीश्वर नाथ रेणु - तीसरी कसम

6. यशपाल - फूलों का कुर्ता **(15 Hours)**
7. रांगेय राघव - गदल
8. मन्नू भण्डारी - त्रिशंकु
9. कमलेश्वर - राजा निरबंसिया
10. मार्कण्डेय - हंसा जाई अकेला

11. ज्ञानरंजन - घंटा **(15 Hours)**
12. कृष्णा सोबती - सिक्का बदल गया
13. नासिरा शर्मा - संगसार
14. शिवप्रसाद सिंह - नन्हों

15. शिवमूर्ति - कसाईबाड़ा **(15 Hours)**
16. ओमप्रकाश वाल्मीकि - प्रमोशन
17. जयप्रकाश कर्दम - नो बार
18. उदय प्रकाश - तिरिछ

संदर्भ ग्रंथ

1. गोपाल राय, '*हिन्दी कहानी का इतिहास*' भाग-1, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2011
2. पुष्पपाल सिंह, '*कहानी का उत्तर समय*', सामयिक बुक्स, 2013
3. संपादक सोनिया सिरसाट, '*हिन्दी कहानीः परम्परा एवं प्रयोग*', अकादमिक प्रतिभा, नयी दिल्ली, 2010
4. डॉ. रामचन्द्र तिवारी, '*हिन्दी का गद्य साहित्य*', विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1968
5. जैनेन्द्र कुमार, '*कहानीः अनुभव और शिल्प*', पूर्वोदय प्रकाशन, दिल्ली, 1967
6. संपादक सोमेश्वर पुरोहित, '*कहानीः नई-पुरानी*', नवजीवन प्रकाशन मंदिर, अहमदाबाद, 1978

Course Title: आलोचक और आलोचना

Course Code: HNO-5
Marks: 100
Credits: 04 (60 lectures)

Course Objective:

इस पाठ्यक्रम के द्वारा विद्यार्थियों को हिन्दी आलोचना से परिचित कराया जाएगा। हिन्दी आलोचना के क्रमिक विकास की जानकारी दी जाएगी। साथ ही यह भी बताया जाएगा कि आलोचना के प्रतिमान कौन-कौन से हैं और यह किससे प्रभावित है।

Learning Outcome:

इस पाठ्यक्रम को पढ़ने के बाद विद्यार्थी हिन्दी आलोचना से पूर्णतया परिचित होंगे। उन्हें हिन्दी आलोचना के क्रमिक विकास की जानकारी मिलेगी और हिन्दी आलोचना के प्रतिमान को भी समझेंगे।

Syllabus:

1. हिंदी आलोचना का विकास : **(22 Hours)**

1.1 भारतेंदु युगीन आलोचना : स्वरूप एवं विशेषताएं
(गद्य विधाओं का विकास)

1.2 महावीर प्रसाद द्विवेदी और नवजागरण
(युगांतकारी भूमिका और 'सरस्वती' पत्रिका)

1.3 द्विवेदी युगीन आलोचक : मिश्र बंधु एवं अन्य

1.4 रामचंद्र शुक्ल और हिंदी आलोचना
(इतिहासपरक और वैज्ञानिक आलोचना)

1.5 छायावादी कवियों के आलोचनात्मक प्रयत्न

2. शुक्लोत्तर समीक्षा के प्रमुख आयाम : **(15 Hours)**

2.1 हिंदी आलोचना पर संस्कृत काव्यशास्त्र का प्रभाव

2.2 हिंदी आलोचना पर पाश्चात्य काव्यशास्त्र का प्रभाव

2.3 नंददुलारे वाजपेयी और स्वच्छंदतावादी आलोचना

2.4 हजारी प्रसाद द्विवेदी : मानवतावादी और सांस्कृतिक दृष्टि

3. आलोचक और आलोचना : विशेष अध्ययन **(15 Hours)**

3.1 प्रगतिशील आंदोलन और मार्क्सवादी आलोचना

3.2 रामविलास शर्मा : प्रगतिशील आलोचना के प्रतिमान और प्रदेय

3.3 मनोवैज्ञानिक समीक्षा पद्धतिः साहित्य और समीक्षा

3.4 मुक्तिबोध की समीक्षा पद्धति : वस्तु और शिल्प, रचना प्रक्रिया, कला के तीन क्षण

3.5 नामवर सिंह की आलोचना पद्धति और नई समीक्षा

4. अन्य विधाएं **(08 Hours)**

4.1 कथा समीक्षा के प्रतिमान

4.2 नाट्य समीक्षा के प्रतिमान

संदर्भ ग्रंथ

1. रोहिताश्व, *'आलोचना का परिप्रेक्ष्य'* , विद्या प्रकाशन, कानपुर, 2005
2. रोहिताश्व, *'समकालीनता और शाश्वतता'* , विद्या प्रकाशन, कानपुर, 2006
3. परमानंद श्रीवास्तव, *'आलोचना की संस्कृति'* , सामयिक प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2013
4. देवीशंकर अवस्थी, *'आलोचना और आलोचना'* , वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, 1995
5. रमेश चन्द्र शाह, *'आलोचना का पक्ष'* , वाग्देवी प्रकाशन, बीकानेर, 1998
6. सम्पादक प्रेम भारद्वाज, *'नामवर सिंहः एक मूल्यांकन'* , सामयिक बुक्स, नयी दिल्ली, 2012

Course Title: पत्रकारिता एवं जनसंचार माध्यम

Course Code: HNO-6
Marks: 100
Credits: 04 (60 lectures)

Course Objective:

विद्यार्थियों को पत्रकारिता एवं जनसंचार माध्यम की जानकारी देना। उन्हें बताना कि पत्रकारिता का विकास किस प्रकार हुआ। जनसंचार माध्यम के अंतर्गत समाचार पत्र, रेडियो, सिनेमा, इंटरनेट आदि से परिचित कराना।

Learning Outcome:

इस पाठ्यक्रम को पढ़ने के बाद विद्यार्थी पत्रकारिता और जनसंचार माध्यम से भलीभाँति परिचित होंगे। उन्हें पत्रकारिता के क्रमिक विकास की जानकारी प्राप्त होगी। साथ ही समाचार पत्र, रेडियो एवं सिनेमा के क्षेत्र में लेखन की जानकारी मिलेगी।

Syllabus:

क) हिन्दी पत्रकारिता **(22 Hours)**

1. पत्रकारिता: अवधारणा, स्वरूप एवं विकास
2. भारतेन्दु युगीन पत्रकारिता
3. महावीरप्रसाद द्विवेदी युगीन पत्रकारिता
4. गांधी युगीन पत्रकारिता
5. स्वातंत्र्योत्तर पत्रकारिता
6. इक्कीसवीं सदी की पत्रकारिता

ख) जनसंचार माध्यम

1. समाचार पत्र : अवधारणा एवं स्वरूप **(08 Hours)**
2. समाचार पत्र : प्रकाशन की प्रक्रिया

3. रेडियो : परिचय, लेखन एवं महत्व **(07 Hours)**
4. रेडियो : आजादी से पूर्व एवं पश्चात

5. सिनेमा : स्वरूप, उद्भव एवं विकास **(08 Hours)**
6. सिनेमा : व्यावसायिक एवं कला

7. लघु डाक्यूमेंटरी एवं कार्टून फिल्म **(07 Hours)**
8. दूरदर्शन : परिचय, लेखन एवं महत्व

9. इंटरनेट : परिचय, लेखन एवं महत्व **(08 Hours)**
10. विज्ञापन : स्वरूप, उद्भव एवं विकास

संदर्भ ग्रंथ

1. डॉ.अम्बादास देशमुख, '*प्रयोजनमूलक हिन्दी*', शैलजा प्रकाशन, कानपुर, 2006
2. डॉ. चन्द्रप्रकाश मिश्र, '*संचार एवं संचार माध्यम*', संजय प्रकाशन दिल्ली, 2006
3. प्रो. हरिमोहन, '*आधुनिक जनसंचार और हिन्दी*', तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2000
4. सम्पादक डॉ. जशवंत राठवा, डॉ. दिलीप मेहरा, '*मीडिया लेखन*', अमर प्रकाशन, मथुरा, 2013
5. संपादक डॉ. शैलजा भारद्वाज, '*साहित्य और सिनेमा*', चिन्तन प्रकाशन, कानपुर, 2013
6. सुरेश गौतम, वीणा गौतम, '*हिन्दी पत्रकारिता: कल, आज और कल*', सत्साहित्य प्रकाशन, दिल्ली, 2001

Semester - III

Course Title: भारतीय काव्यशास्त्र
Course Code: HNC-7
Marks: 100
Credits: 4 (60 lectures)

Course Objective:

विद्यार्थियों को भारतीय काव्यशास्त्र की विस्तृत जानकारी देना। इसके अंतर्गत विद्यार्थी काव्य की अवधारणा उसके तत्व और काव्य हेतुओं से परिचित होंगे और साथ ही जो विभिन्न काव्य के सिद्धान्त है उससे भी परिचित होंगे। उदाहरण के रूप में रस, अलंकार, ध्वनि, रीति, वक्रोक्ति और औचित्य सिद्धान्त।

Learning Outcome:

इस पाठ्यक्रम को पढ़ने के बाद विद्यार्थी भारतीय काव्यशास्त्र से पूर्णरूपेण परिचित होंगे। विद्यार्थियों को ज्ञात होगा कि काव्य के आस्वादन में या उसके शास्त्र में भारतीय सिद्धान्तो का क्या महत्व है और इस प्रकार सिद्धान्तो को समझते हुए वे उनके आचार्यों के विचार से भी अवगत होंगे।

Syllabus:

क काव्य का स्वरूप - **(15 Hours)**

1. काव्य की अवधारणा एवं स्वरूप
2. काव्य के तत्व
3. काव्य हेतु एवं प्रयोजन

ख. काव्यालोचन के मानदण्ड (भारतीय) **(45 Hours)**

1. रस सिद्धांत : स्वरूप निष्पत्ति एवं साधारणीकरण
2. अंलकार सिद्धांत : प्रमुख मान्यताएँ
3. ध्वनि सिद्धांत : प्रमुख मान्यताएँ
4. रीति सिद्धांत : प्रमुख मान्यताएँ
5. वक्रोक्ति सिद्धांत : प्रमुख मान्यताएँ
6. औचित्य सिद्धांत : प्रमुख मान्यताएँ

संदर्भ ग्रंथ

1. डॉ. भगीरथ मिश्र, '*काव्यशास्त्र*', विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1999
2. डॉ. योगेन्द्र प्रताप सिंह, '*भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका*', लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2008
3. गणपति चन्द्र गुप्त, '*भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धांत*', लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2009
4. पंडित सीताराम चतुर्वेदी, '*समीक्षा शास्त्र*', कृष्णदास अकादमी प्रकाशन, वाराणसी, 1983
5. डॉ. रामचन्द्र तिवारी, '*भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र*', लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1980
6. शेषेन्द्र शर्मा, '*आधुनिक काव्य शास्त्र*', लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1990

Course Title: प्रयोजनमूलक हिन्दी
Course Code: HNC-8
Marks: 100
Credits: 4 (60 lectures)

Course Objective:

विद्यार्थियों को प्रयोजनमूलक हिन्दी से परिचित कराना इस पाठ्यक्रम का लक्ष्य है। विद्यार्थी यह समझ पाएगें कि आज के युग में साहित्य के साथसाथ प्रयोजनमूलक हिन्दी का भी महत्व बढ़ - रहा है।विद्यार्थियों को यह भी ज्ञात होगा कि हमारे संविधान में हिन्दी को क्या स्थान दिया गया है और वास्तविक रूप में आज उसकी क्या स्थिति है।

Learning Outcome:

इस पाठ्यक्रम को पढ़ने के बाद विद्यार्थी रोजगार की प्राप्ति में दक्षता प्राप्त करेंगे। सरकारी कार्यालयों में वे वहाँ लिखे जाने वाले पत्रों का ज्ञान प्राप्त करेंगे। साथ ही विद्यार्थियों को यह ज्ञात होगा कि आज इंटरनेट के साथजुड़ कर हिन्दी विश्व स्तर पर अपना कितना महत्व बना चुकी है।

Syllabus:

क - प्रयोजनमूलक हिन्दी **(07 Hours)**

1. स्वरूप एवं व्यवहार क्षेत्र
2. ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य(स्वतंत्रता पूर्व एवं स्वातंत्रोत्तर काल)

ख - राजभाषा **(15 Hours)**

1. स्वरूप एवं आवश्यकता
2. संवैधानिक प्रावधान (संविधान की आठवीं अनुसूची)
   I. अनुच्छेद 343-344(संघ की राजभाषा एवं संसद का आयोग एवं समिति)
   II. अनुच्छेद 345-347(राज्य की राजभाषा या राजभाषाएँ)
   III. अनुच्छेद 348(न्यायालय से संबंधित भाषा)
   IV. अनुच्छेद 349-350(भाषा संबंधी कुछ अधिनियमित विशेष प्रक्रिया)
   V. अनुच्छेद 351(हिन्दी का प्रचार प्रसार)
   VI. राष्ट्रपति के निर्देश(1952,1955,1960)
   VII. राजभाषा आयोग।
   VIII. संसदीय समिति।
   IX. राजभाषा की समस्याएँ

ग राजभाषा के प्रमुख प्रकार्य - कार्यालयीन हिन्दी (15 Hours)

1. प्रारूपण (कार्यालयीन ज्ञापन, कार्यालयीन आदेश, कार्यालयीन अनुस्मारक, परिपत्र, अर्धसरकारी पत्र, अधिसूचना)
2. टिप्पण
3. संक्षेपण
4. पल्लवन

घ. पारिभाषिक शब्दावली (08 Hours)

1. स्वरूप एवं महत्व
2. प्रमुख सिद्धांत एवं समस्याएँ

ड. इंटरनेट और हिन्दी (08 Hours)

यूनिकोड, ब्लाग, पोर्टल, ई-मेल, वेबसाइट्स

च - विश्व भाषा के रूप में हिन्दी का विकास (07 Hours)

1. विदेशों में हिन्दी का अध्ययन-अध्यापन
2. अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दी नेट पत्रिका

संदर्भ ग्रंथ

1. डॉ. अम्बादास देशमुख, '*प्रयोजनमूलक हिन्दी*', शैलजा प्रकाशन, कानपुर, 2006
2. जोगेन्द्र सिंह, '*राजभाषा हिन्दीः विश्व संदर्भ*', वत्सल प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2003
3. विनोद गोदरे, '*प्रयोजनमूलक हिन्दी*', वाणी प्रकासन, नयी दिल्ली, 2007
4. डॉ. सी. जे. प्रसन्नकुमारी, '*राजभाषा हिन्दी के विविध आयाम*', अमन प्रकाशन, कानपुर, 2009
5. डॉ. सु. नागलक्ष्मी, '*संचार, सूचना, कम्प्यूटर और प्रयोजनमूलक हिन्दी जगत*', जवाहर पुस्तकालय, मथुरा, 2012
6. डॉ. अनिल कुमार तिवारी, '*प्रयोजनशील हिन्दी*', विश्वभारती प्रकाशन, कानपुर, 2004

Course Title : हिन्दी भाषा ,लिपि ,व्याकरण एवं सर्वेक्षण
Course Code : HNC-9
Marks : 100
Credits : 4 (60 lectures)

Course Objective:
विद्यार्थियों को हिन्दी भाषा, लिपि और व्याकरण का ज्ञान कराना ताकि वे वाक्य रचना करने में और आवश्यकता पड़ने पर बोलने में दक्षता प्राप्त कर सकें। विद्यार्थियों को सर्वेक्षण के क्षेत्र में भी आत्मविश्वास पैदा कराना और ऐसा करके हिन्दी के प्रति उनमें रूचि पैदा कराना।

Learning Outcome:

इस पाठ्यक्रम को पढ़ने के बाद विद्यार्थी हिन्दी भाषा बोलने और लिखने में दक्षता प्राप्त करेंगे। उन्हें व्याकरण का अच्छा ज्ञान होगा। साथ ही सर्वेक्षण करके उन्हें भाषा और संस्कृति को गहराई से समझने में सुविधा होगी।

Syllabus:

क. हिन्दी भाषा का इतिहास **(15 Hours)**

1. प्राचीन भारतीय आर्य भाषा : वैदिक संस्कृत एवं लौकिक संस्कृत
2. मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषा प्राकृत पालि एवं अपभ्रंश
3. आधुनिक भारतीय आर्यभाषा हिन्दी एवं अन्य भारतीय भाषाएँ

ख. लिपि **(15 Hours)**

1. देवनागरी लिपि : उद्भव एवं विकास।
2. देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता।
3. देवनागरी लिपि का मानकीकरण

ग. व्याकरण **(15 Hours)**

1. भाषा और व्याकरण
2. शब्द साधन : विकारी एवं अविकारी शब्द का सामान्य परिचय
3. हिन्दी की रूप रचना – उपसर्ग, प्रत्यय, संधि और समास के आधार पर रूपान्तरण
4. लिंग, वचन, कारक, काल, वाच्य के आधार पर रूपान्तरण
5. संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया के आधार पर रूपान्तरण

घ. भाषा एवं संस्कृति सर्वेक्षण **(15 Hours)**

1. सर्वेक्षण का स्वरूप, प्रविधि एवं प्रक्रिया (सैद्धांतिक पक्ष – 5 lect.)
2. दस घंटे की रिपोर्ट (व्यावहारिक पक्ष 10 lect.)

   Note -भाषा और संस्कृति से संबंधित विषय परकिसी स्थान विशेष का 5000 शब्दों में सर्वेक्षण रिपोर्ट प्रस्तुत करना होगा।

संदर्भ ग्रंथ

1. भोलानाथ तिवारी, '*भाषा विज्ञान*', किताब महल, इलाहाबाद, 1951
2. कामता प्रसाद गुरू, '*हिन्दी व्याकरण*', हिन्दी-मराठी प्रकाशन, नागपुर, 2009
3. डॉ. विजय लक्ष्मण वर्धे, '*हिन्दी व्याकरण*', फडके बुकसेलर्स, कोल्हापुर, 1992
4. डॉ. रामप्रकाश, '*मानक हिन्दीः स्वरूप एवं संरचना*', राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली, 1991
5. डॉ. नरेश मिश्र, '*भाषा और भाषा विज्ञान*', निर्मल पब्लिकेशन्स, दिल्ली, 2001
6. डॉ. ब्रजकिशोर प्रसाद सिंह, '*हिन्दी व्याकरण*', नमन प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2009

Course Title : भारतीय साहित्य
Course Code : HNO-7
Marks : 100
Credits : 4 (60 lectures)

Course objective:

विद्यार्थियों को हिन्दी के अलावा अन्य भारतीय भाषाओं और उनके साहित्य से परिचित करना। ऐसा करके विद्यार्थी यह समझ सकेंगे कि भारत की अन्य भाषाएँ हिन्दी से किस स्तर पर जुड़ती हैं और किस स्तर पर वे अपना अलग मार्ग निर्धारित कर रही हैं।

Learning Outcome:

इस पाठ्यक्रम को पढ़ने के बाद विद्यार्थी मुख्य रूप से कोंकणी, मराठी, उर्दू, कन्नड़ और बंगला के साहित्य से परिचित होंगे। साहित्य से परिचित होने के बाद उन्हे उन भाषाओं में क्या लिखा जा रहा है, संबंधित लेखकों की दृष्टि एवं उनके साहित्य में क्या है इन सबका अच्छी तरह से ज्ञान प्राप्त होगा। साथ ही हिन्दी के साथ अन्य भारतीय भाषाओं से वे परिचित होंगे।

Syllabus:

क. भारतीय साहित्य **(30 Hours)**

1. भारतीय साहित्य की अवधारणा
2. भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएँ
3. भारतीय साहित्य : काव्य (मराठी, कोंकणी, उर्दु भाषा साहित्य के संदर्भ)
4. भारतीय साहित्य : कथा (मराठी, कोंकणी, कन्नड, बंगला)भाषा साहित्य के संदर्भ में

ख. निर्धारित पाठ्यपुस्तकें **(30 Hours)**

1. कथा दर्पण: सं. मिनेझिस ब्रागाझा इंस्टिट्यूट, पणजी (कोंकणी)
2. कविता : उजाले अपनी यादों के: बशीर बद्र (उर्दू)
3. अनूदित कविता : कुसुमाग्रज (मराठी)
4. संस्कार : यू. आर. अनंतमूर्ति (कन्नड)
5. अग्नि गर्भ : महाश्वेतादेवी (बंगला)

संदर्भ ग्रंथ

1. *'कथा दर्पण',* इंस्टिट्यूट मेनेजेज ब्रगांजा, पणजी, 2009
2. यू.आर. अननितमूर्ति, *'संस्कार',* राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2001
3. डॉ. राधाकृष्णन, *'भारतीय दर्शन',* राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली, 1966
4. महाश्वेता देवी, *'अग्निगर्भ',* राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 1998
5. *'भारतीय साहित्य : विविध आयाम',* विद्या प्रकाशन, कानपुर, 2001
6. रोहिताश्व पदमसिंह शर्मा, *'हिन्दी, उर्दू एवं हिन्दुस्तानी'*, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2008

Course Title: नाटक एवं रंगमंच
Course Code : HNO-8
Marks : 100
Credits: 4 (60 lectures)

Course Objective:

इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को नाटक और रंगमंच की ओर जुड़ने के लिए प्रेरित करना है। ऐसा करके विद्यार्थी नाटक और रंगमंच के सैद्धांतिक पक्ष और व्यावहारिक पक्ष दोनो से जुड़ेंगे।

Learning Outcome:

इस पाट्यक्रम के अध्ययन के बाद विद्यार्थी अभिनय कला में दक्षता प्राप्त करेंगे और इसके बाद भविष्य में वे नाटक और अभिनय से जुड़ सकेंगे। आज इसकी बहुत आवश्यकता है।

Syllabus:

क. नाटक एवं रंगमंच **(15 Hours)**

1. लोकनाट्य की परंपरा
2. हिन्दी नाटक : स्वरूप एवं विकास
3. हिन्दी रंगमंच का विकास

ख. विशेष अध्ययन हेतु (निर्धारित नाटक)

1. अंधेर नगरी – भारतेन्दु हरिश्चंद्र **(07 Hours)**
2. ध्रुवस्वामिनी – जयशंकर प्रसाद **(08 Hours)**
3. आधे अधूरे – मोहन राकेश **(07 Hours)**
4. बकरी – सर्वेश्वर दयाल सक्सेना **(08 Hours)**
5. कोर्ट मार्शल – स्वदेश दीपक **(07 Hours)**
6. जिस लाहौर नइ देख्या ओ जम्याइ नतइ – असगर वजाहत **(08 Hours)**

संदर्भ ग्रंथ

1. डॉ.लीना बी. एल, '*हिन्दी नाटक और रंगमंच*', जवाहर पुस्तकालय, मथुरा, 2012
2. डॉ. प्रेमदत्त शर्मा, '*प्रसाद साहित्य की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि*', जयपुर पुस्तक सदन, जयपुर, 1968
3. गिरीश रस्तोगी, '*हिन्दी नाटक का आत्म संघर्ष*', लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2002
4. डॉ. बनवीर प्रसाद शर्मा, '*आधुनिक हिन्दी नाटक*', अनंग प्रकाशन दिल्ली, 2001
5. के.वी. नारायण, '*साठोत्तर हिन्दी नाटक*', लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2007
6. डॉ. आशाराम बेवले, '*समकालीन हिन्दी नाटकों में नारी के विविध रूप*', समता प्रकाशन, कानपुर, 2006

Course Title : आधुनिक हिन्दी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि
Course Code : HNO-9
Marks : 100
Credits : 4 (60 lectures)

Course Objective:

इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को आधुनिक हिन्दी साहित्य की वैचारिकता से जोड़ना है। वे समझेंगे कि आज हमारा जो आधुनिक साहित्य है उसके मूल में कौन कौन सी-विचारधाराएँ पृष्ठभूमि के रूप में कार्य कर रही हैं।

Learning Outcome:

इस पाठ्यक्रम के पूर्ण होने के बाद विद्यार्थी हिन्दी साहित्य से संबंधित सभी वादों से परिचित होंगे जैसे मार्क्सवाद, गांधीवाद, आम्बेडकरवाद और स्त्रीवादी सिद्धान्त। ये वे दर्शन है जिन्हें आधार बनाकर हिन्दी साहित्य सृजन की ओर बढ़ रहा है।

Syllabus:

1. मार्क्सवाद (द्वन्द्वात्मक भौतिकवाद) अवधारणा, स्वरूप एवं महत्व। **(07 Hours)**
2. गांधीदर्शन : स्वरूप एवं महत्व **(08 Hours)**
3. मनोविश्लेषण वाद: स्वरूप एवं महत्व **(07 Hours)**
4. अस्तित्वाद : स्वरूप एवं महत्व **(08 Hours)**
5. अम्बेडकर वाद: स्वरूप एवं महत्व **(07 Hours)**
6. समाजवादी दर्शन : स्वरूप एवं महत्व (डॉ.राममनोहर लोहिया, श्री मधुलिमये आदि के संदर्भ में) **(15 Hours)**
7. स्त्रीवादी चिंतन : स्वरूप एवं महत्व **(08 Hours)**

संदर्भ ग्रंथ

1. डॉ. पारसनाथ मिश्र, '*मार्क्सवाद और उपन्यासकार यशपाल*', लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1972
2. डॉ. चंदा गिरीश, '*अस्तित्ववादी हिन्दी कहानी*', दिव्य डिस्ट्रिव्यूटर्स, कानपुर, 2009

3. डॉ. रामविलास शर्मा, '*प्रगतिशील साहित्य की समस्याएँ*', विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा, 1957
4. डॉ. कुसुम पटोरिया, '*युग प्रणेता अंबेडकर*', विश्वभारती प्रकाशन, नागपुर, 2004
5. क्षमा शर्मा, '*स्त्रीत्ववादी विमर्श : समाज और साहित्य*', राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2002
6. रामधारी सिंह दिनकर, '*चिन्तन के आयाम*', लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2008

Semester – IV

Course Title: पाश्चात्य काव्यशास्त्र

Course Code: HNC-10
Marks: 100
Credits: 04 (60 lectures)

Course Objective:

इस पाठ्यक्रम द्वारा विद्यार्थियों को पाश्चात्य काव्यशास्त्र की विस्तृत जानकारी देना। इससे विद्यार्थी पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांतों से परिचित होंगे जैसे प्लेटो का काव्य सिद्धांत, अरस्तू टी.एस. इलियट आदि का काव्य सिद्धान्त, जिसके माध्यम से बिम्ब, प्रतीक मिथकीय प्रयोग की जानकारी देना।

Learning Outcome:

इस पाठ्यक्रम को पढ़ने के बाद विद्यार्थी पाश्चात्य काव्यशास्त्र से पूरी तरह परिचित होंगे। उन्हें ज्ञात होगा कि पाश्चात्य समीक्षकों ने काव्य को किस रूप में देखा है और वे भारतीय समीक्षकों से किस अर्थ में भिन्न हैं।

Syllabus:

क) प्रमुख पाश्चात्य विचारक **(30 Hours)**

1. प्लेटो - काव्य सिद्धांत
2. अरस्तू - अनुकरण एवं विरेचन सिद्धान्त, त्रासदी
3. लोंजाइनस - उदात्त की अवधारणा
4. मैथ्यू अर्नाल्ड - काव्य सिद्धान्त
5. क्रोंचे - अभिव्यंजनावाद
6. टी.एस. इलियट - निर्वैयक्तिकता का सिद्धान्त

ख) प्रमुख काव्य सिद्धान्त **(30 Hours)**

1. प्रकृतिवाद
2. अभिजात्यवाद
3. स्वच्छंदतावाद
4. बिंब एवं प्रतीकवाद

5. आधुनिकतावाद
6. संरचनावाद
7. उत्तर संरचनावाद
8. उत्तर आधुनिकतावाद

संदर्भ ग्रंथ

1. देवेन्द्रनाथ शर्मा, '*पाश्चात्य काव्यशास्त्र*', वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2008
2. गणपतिचन्द्र, '*गुप्त भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धान्त*',लोकभारतीय प्रकाशन, इलाहाबाद, 2009
3. गोपीचंद नारंग, '*संरचना एवं उत्तरसंरचनावाद*',साहित्य अकादमी, दिल्ली, 2004
4. पंडित सीताराम चतुर्वेदी, *समीक्षा शास्त्र*, कृष्णदास अकादमी प्रकाशन, वाराणसी, 1983
5. शेषेन्द्र शर्मा, *आधुनिक काव्यशास्त्र*, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1990
6. डॉ. रामचन्द्र तिवारी, *भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र*, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1980

Course Title: मीडिया लेखन
Course Code: HNC-11
Marks: 100
Credits: 04 (60 lectures)

Course Objective:

विद्यार्थियों को मीडिया लेखन की जानकारी देना, दूरदर्शन, रेडियो, जिसमें समाचार पत्र लेखन इंटरनेट आदि प्रमुख हैं। इस पाठ्यक्रम से विद्यार्थियों को साहित्य के अलावा प्रयोजनमूलक हिन्दी से जोड़ना और उन्हें रोजगार हेतु प्रवृत्त करना।

Learning Outcome:

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के बाद विद्यार्थी मीडिया लेखन से परिचित होंगे। विद्यार्थियों को ज्ञात होगा कि मीडिया लेखन का सिद्धान्त क्या है। वे पत्रकारिता ,रेडियो दूरदर्शन और सिनेमा जैसे विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार प्राप्त कर सकेंगे।

Syllabus:

क. समाचार पत्र लेखन **(15 Hours)**
समाचार लेखन, संपादकीय विज्ञापन लेखन, फीचर लेखन)

ख. रेडियो लेखन **(07 Hours)**
(रेडियो समाचार, रेडियो नाटक, रेडियो विज्ञापन, रेडियो वार्ता)

ग. टेलिविजन लेखन **(08 Hours)**
(समाचार, धारावाहिक, रुपक, विज्ञापन, वार्ता, वृत्तचित्र)

घ. सिनेमा लेखन **(15 Hours)**
(पटकथा लेखन, संवाद लेखन, साहित्यिक कृतियों का दृश्य- श्रव्य रुपांतरण)

ङ. इंटरनेट माध्यम लेखन **(15 Hours)**
(वेबसाइट निर्माण, ब्लॉग लेखन, सोशल मीडिया लेखन (Whatsapp, Facebook, Twitter)

संदर्भ ग्रंथ

1. विनोद गोदरे, *प्रयोजनमूलक हिन्दी*, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2007
2. डॉ. सी. जे. प्रसन्नकुमारी, *राजभाषा हिन्दी के विविध आयाम*, अमन प्रकाशन, कानपुर, 2009
3. डॉ. योगेन्द्र प्रताप सिंह, *मीडिया और साहित्य*, अमन प्रकाशन, कानपुर, 2010
4. डॉ. शांति विश्वनाथन, *मीडिया और साहित्य*, अमन प्रकाशन, कानपुर, 2009
5. सत्यदेव त्रिपाठी, *समकालीन फिल्मों के आइने में समाज*, शिल्पायन प्रकाशन, दिल्ली, 2013
6. डॉ. श्याम कश्यप, *टेलीविजन की कहानी राजकमल प्रकाशन*, नयी दिल्ली, 2008

Course Title: शोध प्रविधि

Course Code: HNC-12
Marks: 100
Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:

विद्यार्थियों को शोध प्रक्रिया से परिचित कराना। शोध के समय क्या क्या समस्याएँ आती हैं- उनकी जानकारी देना। शोध की रूपरेखा तैयार कराना। शोध कार्य के विभिन्न क्षेत्रों से उन्हें अवगत कराना। साथ ही आज हिन्दी में शोध की क्या स्थिति है उसके बारे में बताना।

Learning Outcome:

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के बाद विद्यार्थी शोध की पूरी प्रक्रिया से अवगत होंगे। उन्हें शोध से संबंधित सैद्धान्तिक और व्यावहारिक दोनों पक्षों का ज्ञान होगा। साथ ही वे भविष्य में शोध कार्य के लिए प्रवृत्त होंगे।

Syllabus:

क. i. शोध का स्वरूप एवं महत्व **(15 Hours)**
ii. शोध और आलोचना
iii. शोध छात्रों की योग्यता
iv. शोध एवं साहित्य
v. शोध के प्रकार (वर्णनात्मक, ऐतिहासिक, तुलनात्मक, साहित्यिक एवं साहित्येतर शोध)

ख. शोध पद्धति एवं प्रक्रिया **(15 Hours)**
शोध पद्धति - मनोवैज्ञानिक, समाजशास्त्रीय, भाषा वैज्ञानिक और तुलनात्मक पद्धति
शोध प्रक्रिया- शोध की समस्या, शोध विषय का चयन, सामग्री संकलन एवं स्रोत (प्रकाशित-अप्रकाशित सामग्री, पुस्तकालय, संदर्भ ग्रंथ, पाण्डुलिपियों का संकलन और उपयोग, साक्षात्कार, प्रश्नावली)

ग. शोध कार्य - विभाजन एवं कम्प्यूटर अनुप्रयोग **(15 Hours)**

शोध की रूप रेखा, प्रस्तावना, अध्याय विभाजन, शोध शीर्षक, मुख्य भाग, विवेचन, विश्लेषण, उपसंहार, सूची-संदर्भ, पाद टिप्पणी, परिशिष्ट, टंकणलेखन, वर्तनी सुधार

घ. लघु शोध प्रबंध लेखन **(15 Hours)**

(अधिकतम 10000 शब्दों का लघु शोध प्रबंध)

संदर्भ ग्रंथ

1. डॉ. रावत खंडेलवाल, '*शोध - प्रविधि और प्रक्रिया*', जवाहर पुस्तकालय मथुरा, 1976
2. डॉ. रावत खंडेलवाल, '*शोध तत्व और दृष्टि*', जवाहर पुस्तकालय मथुरा, 1976
3. डॉ. राजेन्द्र मिश्र, '*अनुसंधान की प्रविधि और प्रक्रिया*', तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली, 2012
4. डॉ. विजयपाल सिंह, '*हिन्दी अनुसंधान*', लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2007
5. डॉ. मधुकर पाडवी, *साहित्य चिंतन: समीक्षा एवं शोध,* अमन प्रकाशन कानपुर, 2010
6. डॉ. विनयमोहन शर्मा, *शोध प्रविधि,* नेशनल पब्लिसिंग हाउस, दिल्ली, 2008

Course Title: आधुनिक गद्य (नाटक, उपन्यास, निबंध, कहानी)

Course Code: HNO-10
Marks: 100
Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:

विद्यार्थियों को उपन्यास, कहानी, नाटक एवं निबंध की जानकारी देना। साथ ही उन्हें प्रत्येक विधा की एक –एक रचना से परिचित कराना। इन विधाओं में साहित्यकार किन प्रश्नों को उठाता है उससे विद्यार्थियों को अवगत कराना।

Learning Outcome:

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के बाद विद्यार्थी गद्य की मुख्य विधाओं की एक एक रचना पढ़ कर जानेंगे कि इन विधाओं में लेखक समाज की किन किन समस्याओं को हमारे सामने रखना चाहता है। साथ ही वह इसमें कितना सफल हुआ हैइसकी भी जानकारी प्राप्त करेंगे। ,

Syllabus:

1. नाटक – माधवी, भीष्म साहनी **(15 Hours)**
2. उपन्यास - गिलि गडु - चित्रा मुद्गल **(15 Hours)**
3. चिन्तामणि भाग -1, आचार्य रामचन्द्र शुक्ल (आठ निबंध) **(15 Hours)**
4. कहानी - प्रतिनिधि कथामाला - संपादक - मार्कंडेय (दोपहर का भोजन को छोडकर शेष सभी कहानियाँ) **(15 Hours)**

संदर्भ ग्रंथ

1. आचार्य रामचंद्र शुक्ल, '*हिन्दी साहित्य का इतिहास*', लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2009
2. डॉ. बच्चन सिंह, '*हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास*',राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 2004
3. डॉ. इन्द्रनाथ मदान, '*आधुनिकता और हिन्दी उपन्यास*', राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 1973

4. डॉ. गोपाल राय, '*हिन्दी उपन्यास का इतिहास*', राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2010
5. डॉ. विभुराम मिश्र, '*प्रतिनिधि हिन्दी निबंधकार*', अभिनव भारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1975
6. डॉ. पुष्पपाल सिंह, '*समकालीन कहानी - युगबोध का संदर्भ*', नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 1986
7. डॉ. सुरेंद्र चौधरी, '*हिन्दी कहानी - प्रक्रिया और पाठ*', राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 1995

Course Title: स्त्री विमर्श

Course Code: HNO-11

Marks: 100

Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:

इस पाठ्यक्रम द्वारा विद्यार्थियों को स्त्री विमर्श की अवधारणा नारीवादी आन्दोलन और नारी लेखन, की भूमिका से अवगत कराना है। साथ ही लेखिकाओं द्वारा लिखित कविता, कहानी, उपन्यास, आत्मकथा से परिचित कराना है।

Learning Outcome:

इस पाठ्यक्रम को पढ़नें के बाद विद्यार्थी समाज में स्त्री की दशा और उनके संघर्षमय लेखन से परिचित होंगे। लेखिकाओं द्वारा रचित उपन्यास, कहानी, कविता, आत्मकथा से भलीभाँति परिचित होंगे।

Syllabus:

क. सैद्धांतिक पक्ष **(08 Hours)**

1. स्त्री विमर्श की अवधारणा
2. स्त्री विमर्श की पृष्ठभूमि
3. नारीवादी आंदोलन – भारतीय एवं पाश्चात्य संदर्भ
4. हिन्दी में नारी लेखन का स्वरुप और विकास

ख. उपन्यास - चाक – मैत्रेयी पुष्पा **(07 Hours)**

ग. कहानी – काला शुक्रवार – सुधा अरोड़ा, (जानकीनामा, तानाशाही, रहोगी तुम वही, सत्तासंवाद, वर्चस्व, यथास्थिति, ताराबाई चाल, कमरा नंबर एक सौ पैंतीस, आधी आबादी, अन्नपूर्णा मंडल की आखिरी चिठ्ठी, तीसरी बेटी के नाम ये ठंडे, सूखे बेजानशब्द)

(15 Hours)

घ. कविता – चुनी हुई कविताएँ – अनामिका (स्त्रियाँ, बेजगह, मौसियाँ, एक औरत का पहला राजकीय प्रवास, हरियाली है, एक पती का खो जाना, पतिव्रता, वृद्धाएँ धरती की नमक हैं, दलाई लामा, कुहनियाँ, घूंघट के पट खोल रे, तुलसी का झोला, बीजगणित, आम्रपाली, होमवर्क, णनुवाद। (कुल 15 कविताएँ) **(15 Hours)**

ड .आत्मकथा प्रभाखेतान – अन्या से अनन्या **(15 Hours)**

संदर्भ ग्रंथ

1. डॉ. जगदीश्वर चतुर्वेदी, '*स्त्री विमर्श*', अनामिका पब्लिशर्स, नई दिल्ली, 2000
2. सुमन राजे, '*हिन्दी साहित्य का आधा इतिहास*', भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली, 2004
3. राधा कुमार, '*स्त्री संघर्ष का इतिहास*', वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2002
4. प्रभा खेतान, '*उपनिवेश में स्त्री*', राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2003
5. ममता जैतली, श्री प्रकाश शर्मा, '*आधी आबादी का संघर्ष*', राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2006
6. क्षमा शर्मा, '*स्त्रीत्ववादी विमर्श - समाज और साहित्य*', राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2008

Course Title: गद्य की अन्य विधाएँ

Course Code: HNO-12
Marks: 100
Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:

इस पाठ्यक्रम में गद्य की मुख्य विधाओं के अतिरिक्त अन्य विधाओं को पाठ्यक्रम में रखा गया है। इन विधाओं में आत्मकथा, संस्मरण, यात्रा वृत्त और जीवनी प्रमुख हैं। इन सभी की विद्यार्थियों को जानकारी देना।

Learning Outcome:
इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के बाद विद्यार्थी गद्य की अन्य विधाओं से परिचित होंगे जिसमें आत्मकथा, संस्मरण, यात्रावृत्त जीवनी आदि प्रमुख हैं। आज इन विधाओं में तेजी से लेखन हो रहा है। इन्हें पढ़ने के बाद विद्यार्थी अद्यतन साहित्य से परिचित होंगे।

Syllabus:

क. आत्मकथा : **(15 Hours)**

क्या भुलूँ क्या याद करूँ – हरिवंशराय बच्चन

ख. संस्मरण: **(15 Hours)**

याद हो कि न याद हो (तीन संस्मरण) - काशीनाथ सिंह

1. होल्कर हाउस में हजारी प्रसाद द्विवेदी
2. जी ही जाने है आह मत पूछो
3. गरबीली गरीबी वह

ग. यात्रावृत: **(15 Hours)**

1. स्पीति में बारिश – कृष्णनाथ

घ. जीवनी **(15 Hours)**

आवारा मसीहा (संक्षिप्त) - विष्णु प्रभाकर

संदर्भ ग्रंथ

1. राजरानी शर्मा, '*हिन्दी का संस्मरण साहित्य*',*शोध प्रबंध प्रकाशन, नई दिल्ली, 1970*
2. हरिशंकर दुबे, '*स्वातंत्र्योत्तर हिंदी गद्य में व्यंग्य*', विकास प्रकाशन, कानपुर, 2009
3. डॉ. माधव सोनटम्के, *हिन्दी साहित्य का इतिहास*, अमन प्रकाशन कानपुर, 2010
4. रामदरश मिश्र, *मेरे साक्षात्कार*, किताब घर प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2008
5. सुधा गौतम, आदर्श घर परिवार एवं महिलाएँ, किताब घर प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2007
6. शरद जोशी, *राग भोपाली*, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2009